

कामुकता के घोड़े पर सवार चाची को चोदा-2

“मेरी दो चाचियों ने मुझे नंगा किया और खुद भी नंगी थी. दोनों रंडियां भूखी शेरनी की तरह मेरे लंड पर टूट पड़ीं. मैं तो जैसे हवा में उड़ने लगा था. बड़ी चाची ने लंड अपने गले से नीचे तक ले कर पूरा मुँह में भर लिया. ...”

Story By: (love76)

Posted: Friday, August 24th, 2018

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [कामुकता के घोड़े पर सवार चाची को चोदा-2](#)

कामुकता के घोड़े पर सवार चाची को चोदा-2

मेरी चाची की चूत चुदाई की कहानी के पहले भाग

कामुकता के घोड़े पर सवार चाची को चोदा-1

मैं आपने पढ़ा कि कैसे मैंने अपनी चाची को उसके बॉयफ्रेंड के साथ रेस्तराँ में देखा. उसके बाद चाची मुझ पर मेहरबान हो गयी और अपनी कामुकता के चलते वो अपना जिस्म मेरे हवाले कर रही इथी. उसने अपने साथ मेरी छोटी चाची को भी लगा लिया था.

इसके बाद तो समझो दोनों रंडियां भूखी शेरनी की तरह मेरे लंड पर टूट पड़ीं. मैं तो जैसे हवा में उड़ने लगा था. दोनों ब्लूफिल्म में चुदाई के सीन देख देख कर मेरे लंड को चूसे जा रही थीं.

पूरे कमरे में “उह्ह्ह्ह ऊह... उह्ह्ह्ह” की आवाजें आ रही थीं. एक मेरा लंड मुँह में लेती तो दूसरी मेरे अंडकोष को चूसती. मैं तो चुदास से पागल हुआ जा रहा था और अपनी कमर को आगे पीछे करने में लगा था. नीचे दोनों एक दूसरे को गालियाँ देते हुए कुछ ज्यादा ही चुदासी हो रही थीं और मेरे लंड को गालियाँ देते हुए कह रही थीं- साला घोड़े जैसा लंड घर में ही था और हम बाहर बड़ा लंड खोज रही थी.

मेरा लंड था ही काफ़ी लम्बा और मोटा... और इसीलिए मुझे आज अपने लंड पर काफ़ी गर्व हो रहा था. एक चाची लंड को दूसरी चाची मेरे अंडकोष को मुँह में ले कर चचोर रही थीं. उनके लगातार चाटने और थूक की वजह से लंड एकदम कांच सा चमक रहा था. मैं दोनों के बाल पकड़ कर अपने लंड को उनके मुँह में अन्दर तक डालने लगा.

बड़ी चाची ने अपना अनुभव साबित करते हुए लंड अपने गले से नीचे तक ले कर पूरा मुँह में भर लिया और मानो मेरा लंड कहीं खो सा गया. उन्होंने अपनी जुबान को मेरे लंड की

जड़ पर फिराने लगीं. इससे मुझे अजीब सी सनसनाहट हो रही थी. वो दोनों इंग्लिश और हिंदी में अपने अपने पतियों को गालियां भी दे रही थीं कि साले नामर्द पति इतनी खूबसूरत चुत भी नहीं चोद पा रहे है भैन के लौड़े... और ये हरामी इतना बड़ा लंड घर में अपनी गांड में घुसाए बैठा था.

वे मेरे लंड पे चपत भी लगा रही थीं और “सो बिग कॉक... नाईस बिग कॉक उह्ह्ह्हह... याआह... फ़क माय माउथ... याआह आआह... सो हार्ड कॉक!” कर रही थीं. मैं भी “आआह उह्ह्हह...” की आवाजें निकाल रहा था.

थोड़ी देर के बाद मैंने उनको ऊपर उठाया और चूचों को चूसने लगा. दोनों अब गालियों में ही बातें कर रही थीं.

“खा ले मेरे हरामी भतीजे... खा ले भोसड़ी के इन्हें... तेरा नामर्द चाचा तो इन्हें देखता भी नहीं...”

वे जोर जोर से सिस्कारियां लेकर मेरे बालों को नोंच रही थीं. मेरे हाथ पीछे से उनकी गांड पर गोलाई का नाप ले रहे थे. दोनों अपने हाथों से अपने चूचे मेरे मुँह में घुसेड़ रही थीं और गालियां दे रही थीं और एक दूसरे को किस भी कर रही थीं.

दस मिनट तक ऐसा ही चलता रहा.

फ़िर मैं बोला- मेरी चाबी तो देख ली... ताला नहीं दिखाओगी रंडियो.

ये सुन कर दोनों मुझसे थोड़ी दूर सोफ़े पर जा कर बैठ गईं और मुझे पास आने का इशारे करने लगीं. मैं उनके पास जाने लगा तो मेरा 8 इंच का लंड सांप की तरह फुंफकार रहा था. मैं पास पहुँचा तो फिल्म में देख कर वे दोनों अपनी अपनी पेन्टी में हाथ डाल कर खुद को उत्तेजित कर रही थीं.

मैं अब पास पहुँच कर अपने घुटनों के बल बैठ गया.
छोटी चाची बोलीं- देख उधर फ़िल्म में... तू भी वैसे ही करना.
मैंने हामी भर दी.

फ़िर दोनों ने अपने पैर ऊपर उठाए और कहा- चलो लंड वाले महाराज... अब ताला भी देख लो.

मैंने झट से एक एक करके उन दोनों की पेंटी उनके बदन से अलग कर दीं. अब दोनों की एकदम गुलाबी चुत मेरे सामने थी. मैंने जैसे ही हाथ चुत पर रखा तो चाची कसमसाने लगी, 'आह्ह्ह्ह उह्ह्ह्ह...' करने लगी.

मैंने फ़िल्म की तरफ़ देखा तो पुरुष उन दोनों महिलाओं की चूत को बारी बारी से चाट रहा था. ये सब मेरे साथ पहली बार था, इसलिए कुछ भी दिमाग से नहीं हो रहा था. फ़िर मैंने भी फ़िल्म जैसा ही करना चालू कर दिया. छोटी चाची की चुत ज्यादा गुलाबी थी तो पहले उसी चूत से चालू किया. जैसे ही मैंने अपनी जुबान उनकी चुत पर फ़िराना चालू की तो वो उछलने लगीं. मैं अपने एक हाथ की उंगली को बड़ी चाची की चुत में डालने लगा.

दोनों ही "आह्ह्ह्ह्ह... ऊउईई... यू सक गुड... सक माय पुसी... उम्मह... अहह... हय... याह... कम ऑन फास्ट..."

उनकी मादक आवाजें निकलने लगीं. फ़िर मैंने पाली बदली. अब बड़ी चाची की चूत का नम्बर था. बड़ी चाची कुछ ज्यादा ही गरम और चुदासी लग रही थीं. वो भी अपनी चुत पर मेरी जुबान अहसास पाते ही मादक सिसकारियां लेने लगीं.

यह सिलसिला दस मिनट तक चलता रहा. फ़िर छोटी चाची उठीं और मेरे बराबर में बैठ कर वो भी बड़ी चाची की चूत मेरे साथ में चाटने लगीं. बड़ी चाची मछली जैसी तड़पने

लगीं और उन्होंने गालियां देना चालू कर दिया- याआआह... ऊहह... सक यस... यस यस यू सं ऑफ़ बिच... सक... गुड साले चोदू... तेज कर भड़वे... साले मादरचोद जोर से चाट भोसड़ी के... आह कितना मजा आ रहा है... आह...”

फ़िर मैंने अपनी जगह बदली और जा कर छोटी चाची के पास आ गया. मैं उनको घोड़ी की तरह बना के पीछे से अपना लंड उनकी चूत में डालने लगा. मैंने निशाना लगाया, पर उनकी चूत छोटी होने की वजह से मेरा लंड फ़िसल गया. मैंने फिर से ट्राई किया, लेकिन फिर असफल रहा.

छोटी चाची ने कहा- अपने घोड़े जैसे लंड पर जरा तेल तो लगा लो. तुम्हारे चाचा की लुल्ली भी मेरी चूत में अन्दर जाने में फ़िसल जाती है, फ़िर तुम्हारा तो मूसल लंड है.

मैं उठा और तेल की बोतल ले आया. इतने में दोनों अपने अपने काम में व्यस्त थीं. फ़िर मैंने अपने मूसल को तेल में भिगोया और थोड़ा तेल चाची की चूत पर भी लगा दिया.

अब मैंने फ़िर से लंड हाथ में लेकर चाची की चूत पर निशाना लगाया. अबकी बार लंड का सुपारा अन्दर चला गया. चाची ने बड़ी चाची की चूत को मुँह से चोद कर एक गहरी कराह भरी और बोलीं- अरे ये ताला बहुत दिन से बन्द पड़ा है जरा प्यार से कर मादरचोद. इसका तो बॉयफ़्रेंड है... मेरा तो 4 महीने से उंगलियों से काम चल रहा है.

मैंने कहा- अब कोई शिकायत नहीं होगी मेरी जान...

इतने में सामने से बड़ी चाची बोलीं- डाल जोर से इसकी चूत में...

बड़ी चाची की बात सुन कर मैंने एक जोर का धक्का मारा. अब की बार आधे से ज्यादा लंड छोटी चाची की चूत के अन्दर घुसता चला गया था.

उधर बड़ी चाची ने छोटी चाची का मुँह जोर से अपनी चूत में दबा दिया तो छोटी चाची की

चीख उनके गले में ही घुट कर रह गई.

मैं अब धीरे धीरे अपनी कमर आगे पीछे करने लगा. छोटी चाची की मादक आवाजें उनके कंठ से बाहर आने लगीं- आह्ह्ह... उम्ह्ह्ह... उह्ह्ह्ह... यस फक माय पुसी यू फक सो गुड...

उनकी आवाज निकलने के साथ साथ वे बड़ी चाची की चुत भी चाट रही थीं. बड़ी चाची भी 'यस यस यस ओह्ह्ह्ह्ह्ह माय पुसी यू सक सो गुड...' की चुदासी सी आवाजें निकाल कर मुझे उत्तेजित कर रही थीं.

करीब दो मिनट तक मैंने अपनी चाल धीरे धीरे ही रखी. फिर मैंने अपनी कमर को थोड़ा तेज चलाना शुरू किया. अब चाची भी मेरा साथ देने लगी थीं. मेरा 8 इन्च का लंड पिस्टन की तरह अन्दर बाहर होने लगा. आगे से बड़ी चाची भी गालियाँ और सिसकारियां निकाल रही थीं. पूरे कमरे में "आह... उआह... आह्ह उईई..." की आवाजें आ रही थीं.

मैं छोटी चाची की कमर पकड़ कर उनकी चूत में लंड पेले जा रहा था. फिर 5-7 मिनट के बाद उन दोनों चाचियों की चूत का पानी थोड़ा आगे पीछे पलों के साथ ही निकल गया. पहले छोटी का रस छूटा था, फिर बड़ी चाची की चूत का फव्वारा गिरा था. मैंने अपना लंड छोटी चाची की चुत से निकाल के दोनों के सामने कर दिया और झुक कर बड़ी चाची की चुत के रस को चाटने लगा. दोनों ने "ऊउह्ह्ह्ह यम्मी उह्ह्ह्ह्ह्ह..." की आवाज के साथ मेरा लंड चाट चाट के साफ़ कर दिया.

फिर मैंने बड़ी चाची से कहा- अब तेरे ताले का नम्बर है कुतिया... बहुत आग है तेरे ताले में साली अभी बताता हूँ रंडी.

बड़ी चाची को मेरा ये अंदाज बहुत पसंद आया और वे बोलीं- जियो मेरे चोदू भतीजे, इसी तरह लगा रहा तो बहुत तरक्की करेगा.

मैं घुटनों के बल बैठा और बड़ी चाची की चूत पर लंड का निशाना लगा दिया. बड़ी चाची ने भी बगल की दराज से सिगरेट की डिब्बी निकाल कर एक सिगरेट सुलगाई और चूत खोल दी.

बड़ी चाची की चूत भी थोड़ी बड़ी थी. उन्होंने सिगरेट का कश मारा और मैंने एक लंड फंसा कर एक धक्का दे मारा.

बड़ी चाची की चूत छोटी चाची के चाटने की वजह से और रस टपकाने के कारण एकदम रसीली हुई पड़ी थी. मेरे इस शॉट में मेरा लंड लगभग तीन इंच अन्दर घुसता चला गया. मेरा लंड मोटा होने की वजह से चाची को थोड़ा दर्द हुआ... और वो सिगरेट पीने के कारण खांसने लगीं.

मैंने लौड़ा पेलते हुए पूछा- क्या हुआ कुतिया... क्या फट गई ?

तभी छोटी चाची, जो अब सोफ़े पर आ के बैठ गई थीं, उन्होंने भी एक सिगरेट जला ली और बोलीं- मेरे अरबी घोड़े तू डाल जोर से... ये तो साली नाटक कर रही है.

मैंने एक और धक्का मारा तो लंड पूरा अन्दर चला गया. बड़ी चाची ने अपनी सर ऊपर उठाकर जोर की सिसकारी भरी. मैंने ताबड़तोड़ धक्के देना चालू कर दिया. बड़ी चाची गालियां देते हुए अपनी कमर ऊपर को उठाने लग गई थीं.

उनकी उंगलियों में फंसी सिगरेट मैंने खींची और एक बड़ा कश खींच कर बड़ी चाची की चुदाई शुरू कर दी.

तब तक छोटी चाची उठीं और अपनी गांड मटकाते हुए जाने लगीं. मैंने कहा- किधर चली छम्मक छल्लो... अभी से भाग रही हो ?

छोटी चाची ने सिगरेट का सुट्टा मारा और बोलीं- अभी तेरे लिए एनर्जी का इंतजाम करके आती हूँ.

वे अल्मारी के करीब गईं और रम की बोतल लेकर आ गईं. उन्होंने एक ही पैग बनाया और बोलीं- सब इसी से पी कर मजा लो.

मैं बड़ी चाची को चोदने की अपनी रफ़्तार बढ़ा दी और छोटी चाची के चूचों को मुँह में लेने लगा. छोटी चाची ने एक बड़ा सा घूँट पी कर अपने मम्मों पर शराब गिरा दी. मैं उनके मम्मों से बहती शराब को पीने लगा.

इसी के साथ छोटी चाची अपनी एक उंगली से बड़ी चाची की चुत के दाने को सहला रही थीं.

अब शराब सिगरेट और सुंदरियों की चूत का जलवा मेरे सामने जन्नत का नजारा पेश कर रहा था.

मैं कभी बड़ी चाची के दूध को दबाता तो कभी छोटी चाची के निप्पल को चूस कर रम का मजा लेता. छोटी चाची ने अपने मुँह में दारु भर कर मेरे होंठों से अपने होंठों को लगा दिया और मैंने जैसे ही उनके मुँह से मुँह लगाया कि उन्होंने अपने मुँह की दारु मेरे मुँह में गिरा दी.

यह बड़ा ही कामुक अनुभव था, मुझे नशा चढ़ने लगा था. अब मैं कभी उनके होंठों को किस करके दारु का मजा लेता कभी दूध पर टपकती रम को चाट कर मजा लेता. दस मिनट तक ऐसे ही चलता रहा. फिर मैंने छोटी चाची को बड़ी चाची के बाजू सोफे के ऊपर खड़ा करके उनके सर को बड़ी चाची की मुँह के पास करके झुका दिया, जिससे छोटी चाची की चुत मेरे मुँह के सामने आ गई. जिसे मैं चाटने लगा. उधर छोटी चाची अपने मुँह में दारु भर कर बड़ी चाची को मदिरा का मजा देने लगीं.

दस मिनट की चुदाई के बाद बड़ी चाची ने छोटी चाची को जोर जकड़ लिया और अपने दाँतों को भींचने लगीं. मुझे नीचे उनकी चुत में गर्म लावा फूटने का अहसास हुआ, मैं समझ

गया कि बड़ी चाची का काम हो गया. चाची एकदम निढाल पड़ गई और कुछ ही देर में चुत चटवाने के कारण छोटी चाची का भी पानी निकल गया.

मैं भी उठ कर सोफे पे बैठ गया और छोटी चाची को ऊपर आने का बोला. वो अपनी चुत को मेरे लंड रख कर अन्दर बाहर करने लगीं. मैं तो जोश में था ही. तो फिर से फुल स्पीड जल्दी पकड़ ली. उधर चाची भी पूरी रफ्तार से लंड को अन्दर बाहर करने लगीं.

बड़ी चाची ने जब तक एक बड़ा पैग बना कर खींच लिया था. वे पास में ही बैठी थीं. मैं उनको को किस करने लगा.

छोटी चाची की दस मिनट की मेहनत के बाद मैंने कहा- चाची में झड़ने वाला हूँ... कहां निकालूँ ?

चाची ने कहा- रुक.

वे उठ कर लंड के सामने बैठ गई और उन्होंने बड़ी चाची के हाथ से रम का गिलास लेकर अपना पूरा मुँह खोल दिया, जुबान बाहर निकाल ली. चाची “यस यस यस कॉम... कम इन माय माउथ...” कहने लगीं.

चाची को वीर्य को मुँह में लेने की जल्दी मच रही थी. मैंने उनके सामने खड़े हो कर लंड को तेजी से आगे पीछे करने लगा. बस दस झटकों के बाद तेज पिचकारियों के साथ दोनों के मुँह में वीर्य की बौछार कर दी, जिसे दोनों ने बड़े प्यार से पी लिया और “ऊऊऊ यम्मी कम...” करते हुए दोनों आपस में किस करके मेरे वीर्य को चाटने लगीं. इसके बाद छोटी चाची ने दारू अपने मुँह में भरी और वे दोनों वीर्य के साथ दारू का मजा लेने लगीं.

उनके ऊपर गिरे हुए मेरे रस की एक एक बूँद को उन दोनों ने एक दूसरे को चाट चाट कर साफ कर दिया.

मैंने सिगरेट जला ली थी और उनका प्यार देख रहा था. कुछ देर तक यूं ही मजा लेने के बाद हम तीनों साथ में फव्वारे के नीचे खड़े हो कर नहाए. दोनों चाचियां मेरे गालों पर किस कर रही थीं.

छोटी चाची कहने लगीं- मेरे राजा, तू तो लम्बी रेस का घोड़ा निकला. आज से हम दोनों चाची तेरी गुलाम हो गईं.

फिर बड़ी चाची कहने लगीं- आज से बाहर वाले सब लौड़े बन्द... अब से बस तू ही हमारा चोदू रहेगा.

यह कहते हुए दोनों ऐसे ही अगल बगल आ कर मेरे निप्पल और पेट पर किस करके नहाने लगीं.

फिर नहाने के बाद हम तीनों नंगे ही कमरे में आकर बेड पर लेट गए. वे दोनों मेरे इर्द गिर्द लेट गईं.

मैंने बड़ी चाची से पूछा- ये सब कहां से सीखा चाची ?

बड़ी चाची बोलीं- उनकी एक सहेली है उसने ये सब बताया है.

फिर रात में एक बार हम तीनों ने फिर से सेक्स किया और सो गए. सवेरे जल्दी उठ कर छोटी चाची ने मुझे भी उठाया और अपने कमरे में भेजा... क्योंकि मम्मी मेरे कमरे में मुझे रोज उठाने आती है. मेरे कमरे में नहीं होने पर रात की बात सब पता चल जाती.

ये सब खेल चार दिनों तक चलता रहा. फिर दोनों चाचा बंगलोर से आ गए... तो गेम रुक रुक कर चलने लगा. अब जब भी मौका मिलता, हम तीनों ही खूब मौज करते.

दोनों चाची अब मेरे खाने पीने का ज्यादा ख्याल रखने लगीं और दोनों मुझे हर वक़्त अपने साथ रखतीं. दोनों ने अपनी बहुत सी सहेलियों से भी मिलवाया और फिर उनकी भी चुत

दिलवाई, जो मैं आगे की कहानियों में लिखूँगा.

दोस्तो, मेरी यह चाची के साथ ग्रुप सेक्स की कहानी कैसी लगी... जरूर बताना. आपके ईमेल का मुझे इन्तजार रहेगा.

आपका साहिल

love76gigolo@gmail.com

